(a) whether tourism industry has urged Government to allot Government land at concessional rates to build hotels; and

(b) if so, what is Government's reaction thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI OMAK APANG): (a) and (b) The Ministry of Tourism, received a request for allotment of land for hotel construction on a LEASE BASIS. As the subject of allotment of land does not come within the purview of the Ministry of Tourism, this request had been forwarded to the concerned State Governments for suitable necessary action at their end.

Private Investment in Tourism

152. DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) the present policy of Government to encourage private investment in tourism;

(b) the steps being taken to attract greater flow of private investment in tourism; and

(c) the steps being made to create a low cost destination image of India to attract more foreign tourists?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI OMAK APANG): (a) and (b) Government of India has identified Tourism as a high priority industry for foreign and private investment. Consequently, a Foreign Investment Promotion Board and a Project Approval Board had been set up by the Government in order to clear proposal for foreign investment expeditiously. Further, foreign investment upto 74% & NRI investment upto 100% alongwith foreign collaboration in this pact of technical consultancy services, franchise management fee are under the automatic approval scheme where such proposals are cleared by RBI itself.

(c) The development of the budget accommodation is primarily the responsibility of the State Govts. However, Government of India provides financial assistance for development of infrastructure facilities to the State/Union Territory Governments for setting up of budget accommodation to attract more foreign tourists.

खराब वित्तीय निष्पादन के बावजूद आई. टी.डी.सी. के होटलों का नवीकरण

153. **श्री चुन्नी लाल चौधारी** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या यह सच है कि वर्ष 1997-98 के दौरान पर्यटन विभाग 74 करोड़ रूपए का एफ.डी.कर चुका हैं;

(ख)क्या आई.टी.डी.सी. के अन्तर्गत आने वाले होटलों का नवीकरण किया जा रहा हैं; यदि हां, तो उन पर कितना खर्च किये जाने की सम्भावना हैं;

(ग)क्या पर्यटन विभाग के सभी होटल घाटे में चल रहे हैं; यदि हां, तो उन होटलों के नाम क्या हैं और उनको हुए घाटे का ब्यौरा क्या हैं; और

(घ)क्या यह सच है कि घाटे में चलने के बावजूद उनके नवीकरण और अनुरक्षण के नाम पर करोड़ों रूपये खर्च किए जा रहे हैं; यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या हैं?

पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओमाक अपांग) : (क) जी, नहीं। वर्ष 1997-98 के दौरान भारत पर्यटन विकास निगम ने 26.70 करोड़ रूपए का फिक्स डिपाजिट किया।

(ख)भारत पर्यटन विकास निगम के वर्ष 1998-99 के संशोधित वार्षिक आयोजना में नवीकरण योजना कार्य के लिए 29 करोड़ रूपए भी शामिल हैं।

(ग)पर्यटन मंत्रालय द्वारा किसी होटल का संचालन नहीं किया जाता हैं। तथापि, भारत पर्यटन विकास निगम के स्वामित्व वाले 26 होटलों में से 11 होटलों को वर्ष 1997-98 के दौरान 6,97 करोड़ रूपए का घाटा हुआ हैं। भारत पर्यटन विकास निगम के होटल प्रभाग को कुल 27.38 करोड़ रूपए का लाभ हुआ।

(घ)होटल उद्योग सर्वाधिक प्रतिस्पर्धात्मक विश बाजार में कार्य निष्पादित करता हैं, इसलिए इसके उत्पादों को समकालीन तथा प्रतिस्पर्धारत्मक रखना अपेक्षित होता हैं। भारत पर्यटन विकास पर्यटन विकास निगम के वर्ष 1998-99 के संशोधित वार्षिक आयोजना में नवीकरण तथा उन्नयन कार्य के लिए 29.00 करोड़ रूपए का प्रावधान भी शामिल हैं। जनवरी, 1999 तक हुआ व्यय 21.40 करोड़ रूपए (अनन्तिम राशि) हैं।

Development of National Tourist Centre in North Eastern Region

154. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) the measures taken up by Government